अमृतसर में आयोजित समारोह का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते मंत्री अनिल जोशी, बीके शिवानी, राज बहन तथा अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण

RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

नेपाल में भारत के राजदूत रणजीत रे को भैरहवां में आयोजित समारोह में ब्राह्माकुमारीज की बीके शांति ईश्वरीय सौगात देते हुए। साथ में हैं बीके भूपेन्द्र।

वर्ष: 5, अंक:03 | RNI: RJHIN/ 2013/ 53539 | सशक्तिकरण एंव सामाजिक सेवाओं का दर्पण | हिन्दी (मासिक), - 2017 , मार्च सिरोही, पृष्ठ: 6 , मूल्य : 7.50 रुपए

बेटी सशक्त बनाओ कार्यक्रम में आशा सेविकाओं को मार्गदर्शन ...पेज - 2

परमात्मा मेरे दिल का सबसे करीब मित्र ...पेज - 3

सर्व समस्याओं का एक समाधान, ईश्वर पर अमिट विश्वास ...पेज - 4

जीवन की हर परिस्थिति में बनाए रखें समभाव : दादी जानकी ...पेज - 5

'सखी मिनिथॉन' में 3000 महिलाओं ने दिखाया उत्साह ...पेज - 6

सड़क सुरक्षा जागृति के लिए बनाई 5 कि.मी. लम्बी मानव श्रृंखला ...पेज - 6

ब्रह्माकुमारीज संस्थान पटना की स्वर्ण जयंती : दूसरों के व्यवहार को स्वीकार करें तो नहीं होगा तनाव : बीके शिवानी

प्रेम और सद्भावना ही तरक्की का एकमात्र उपाय : नीतीश

नितिश ने ब्रह्माकुमारीज के नशामुक्ति अभियान को सराहा

पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित ब्रह्माकुमारीज संस्थान पटना के स्वर्ण जयंती समारोह का उद्घाटन करते बिहार के मुख्यमंत्री नितिश कुमार, पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, बीके शिवानी व अन्य तथा विशाल जनसमूह को संबोधित करते नितिश कुमार।

शिव आमंत्रण ■ पटना

आज सबसे बड़ी जरूरत है प्रेम और सदभाव की। यही तरक्की का उपाय है। आज दुनिया की हालत क्या हो गई है। चारों तरफ अशांति है। हर देश के लोग तनाव में हैं। कैसे-कैसे लोग प्रमुखता पा रहे हैं, देख लें। उक्त उद्गार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने व्यक्त किये। वे पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित ब्रह्माकुमारीज संस्थान पटना के स्वर्ण जयंति अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज पूजा-पाठ बढ़ गया है। वहीं दूसरी ओर समाज में असहिष्णुता भी बढ़ गयी है। बिहार में शराबबंदी लागू होने से समाज में बदलाव आया है। समाज में सुख-शांति है। लेकिन शराब बंद होने के बाद लोग कोई दूसरा नसा नहीं करने लगे, इसके लिए जरूरी है कि लोगों का मन बदले। हर किसी को अपने अंदर की शक्ति को पहचानना चाहिए, यह शाश्वत सत्य है। किसी चीज से परेशान नहीं होना चाहिए। अगर धैर्य हो तो कोई उल्टा काम नहीं हो सकता। लोकतंत्र बगैर डिबेट डॉयलाग के चल ही नहीं सकता। लेकिन डिबेट डॉयलाग का एक स्तर होना चाहिए। लोगों को सार्वजनिक जीवन में वाक युद्ध का स्तर इम्प्रूव करना चाहिए।

दूसरों के व्यवहार स्वीकार करना सीखें : शिवानी

ब्रह्माकुमारीज़ कि बहन शिवानी ने कहा कि दूसरों को बदलने में हमें अपनी ताकत खर्च नहीं करनी चाहिए। दूसरों को बदलने की अपेक्षा रखने से अच्छा है कि हम उनके व्यवहार को स्वीकार कर लें। इससे हमें बिल्कुल ही तनाव नहीं होगा। वे 'अंदर की शांति और अंदर की ताकत विषय पर बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि बदलाव हमेशा अपने अंदर लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज का दिन कैसा होगा, इसे जानने के लिए लोग अपनी राशि अखबार में देखते हैं। लोग इसकी चिंता अधिक करते हैं कि कौन उनके साथ कैसे व्यवहार करेगा। वे यह नहीं सोचते कि वह खुद आज लोगों के साथ कैसा व्यवहार करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी का एक निर्णय लेकर लाखों लोगों के परिवार में शांति ला दी। नशा लोगों को नुकसान पहुंचा रहा था। इसी प्रकार अहंकार और गुस्सा भी शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। इन्हें भी हम सभी को त्यागना चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश ने शिवानी बहन की बातों का समर्थन करते हुए ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा चलाये जा रहे नशामुक्ति अभियान का समर्थन किया और कहा-अच्छे उद्देश्य के लिए मार्ग भी उत्तम होना चाहिए। बिहार के लोगों ने इनकी बातों का कुछ भी अंश अपना लिया, तो वे समाज बदल सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज संस्थान का कार्य सराहनीय है।

शराबबंदी का जबर्दस्त असर : लालू प्रसाद

कार्यक्रम में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने कहा कि दुनिया विनाश की ओर जा रही है। हथियार से लैस होने की तैयारी सभी देश कर रहे हैं। भगवान ने हम सभी को मनुष्य बना कर भेजा है ताकि हम श्रेष्ठ काम करें। पर, दुनिया में अशांति का माहौल बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी से बिहार में खुशहाली आयी है। पहले एक जनवरी के दिन अस्पतालों को एलर्ट किया जाता था। खास कर युवक शराब पीकर गाड़ी चलाते और दुर्घटनाग्रस्त हो जाते थे। आज सड़कों पर झगड़ा, हो हल्ला बंद हो गया है। शराबबंदी से विशेष कर महिलाएं प्रसन्न हैं।

हॉस्पिटल को बनाइए एनर्जी का मंदिर

बीके शिवानी ने कहा कि जो बातें सुनकर अच्छा लगता है, उसे जीने पर कैसा लगेगा? इंटरनेशनल मोटिवेशनल स्पीकर शिवानी बहन ने राजधानी के डॉक्टरों से यह पूछा तो जवाब आया - जीवन संवर जाएगा। शिवानी बहन ने कहा- इसीलिए कहती हूं, सिर्फ सुनना नहीं है। खुद का दाग हटाने का संकल्प लें। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह के दूसरे दिन रविवार को शिवानी बहन ने राजधानीवासियों को जीवन मंत्र दिया। सुबह में रवींद्र भवन में डॉक्टरों को और शाम में श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आम जनों को सेवा, शांति अध्यात्म का मंत्र दिया। ब्रह्माकुमारी ने हास्पिटल को एनर्जी का मंदिर बताया। कहा- हॉस्पिटल में किसी को डांटना अलाउड ही नहीं होना चाहिए। डॉक्टरों से गुस्सा स्वाहा करने की अपील की।

बनारसी लाल भाई जी, मोहित गुप्ता, संगीता बहन, रुक्मिणी बहन ने भी संबोधित किया। मौके पर राजद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.रामचंद्र पूर्वे, पूर्व मंत्री शिवानंद तिवारी आदि मौजूद थे।

राजयोगी बीके रमेश शाह का देहावसान

हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

शिव आमंत्रण, आबू रोड। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के पूर्व अतिरिक्त महासचिव, वर्ल्ड रिन्यूवल स्प्रीचुअल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी तथा गॉडलीवुड स्टूडियो के पूर्व चेयरमैन राजयोगी रमेश शाह का शरीर पांच तत्वों में विलीन हो गया। ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव बीके निर्वैर, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन समेत उनके परिवार के लोगों ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार किया गया।

राजयोगी बीके रमेश शाह का शनिवार २९ जनवरी को प्रात: ७ बजकर २३ मिनट पर निधन हो गया था। उनके श्रद्धांजलि के लिए उनके पार्थिव शरीर को माउण्ट आबू के पांडव भवन, ज्ञान सरोवर समेत मुख्य स्थानों पर भी रखा गया था जहाँ बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद बैकुण्ठी यात्रा कराते हुए संस्था के शांतिवन के तपस्या धाम में रखा गया जहाँ हजारों की संख्या में आये लोगों ने पुष्प अर्पित कर अपने श्रद्धासुमन दिए। इस अवसर पर संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव बीके राजयोगी निर्वैर, गॉडलीवुड स्टूडियो के कार्यकारी निदेशक बीके हरीलाल, ब्रह्माकुमारीज संस्था के सूचना निदेशक बीके करूणा, शांतिवन प्रबन्धक बीके मुन्नी, शांतिवन के मुख्य अभियन्ता बीके भरत, ओम शांति रिट्रीट सेन्टर की निदेशिका बीके आशा, उनके परिजन, महाराष्ट्र जोन की निदेशिका बीके संतोष, भारत सरकार के पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी ईश्वरैया, बीके ललित, बीके ईशू दादी समेत बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्टूडियो में भी हुआ श्रद्धासुमन अर्पित

बीके रमेश शाह गाडलीवुड स्टूडियो के चेयरमैन थे। इसलिए उनके पार्थिव शरीर को कुछ समय के लिए गॉडलीवुड स्टूडियो में भी रखा गया जहाँ स्टूडियो के सभी स्टाफ ने अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

राजयोग का बड़ा कार्यक्रम, वंडर बुक में

शिव आमंत्रण, अहमदनगर। महाराष्ट्र के नंबर 1 मराठी न्यूजपेपर ' सकाल' की ओर से अहमदनगर में आयोजित कार्यक्रम में एक लाख नौ हजार 800 लोगों ने एक ही जगह पर राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास किया, जो लंदन के वंडर बुक ऑफ रेकॉर्ड्स इंटरनेशनल में दर्ज किया गया।

भारत के कोआर्डिनेटर डॉ स्वर्णश्री गुर्रम ने बीके दीपक हरके को सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। बीके दीपक हरके ने कहा कि हम सभी को राजयोग को दिनचर्या में शामिल कर औरों को भी प्रेरित करने का प्रयास करना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार को विश्व का सबसे छोटा हैंडमेड कैलेंडर भेंट किया। वंडर बुक ऑफ रेकॉर्ड्स इंटरनेशनल में नाम दर्ज कराया व राजयोग के साप्ताहिक कोर्स की जानकारी दी।

मूल्यपरक शिक्षा से ही होगा संस्कारों का बदलाव : महेन्द्र

दीक्षांत समारोह में जुटे देशभर के युवा

आबू रोड। आज के युवाओं को संस्कारित बनाने के लिए समाज में मूल्यों की अति आवश्यकता है। यह तभी सम्भव होगा जब शिक्षा में मूल्यों का पाठ्यक्रम अनिवार्य रूप से लागू कर दिया जाये। उक्त उदगार गणपत विश्वविद्यालय भोपाल के निदेशक डॉ. महेन्द्र शर्मा ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में आयोजित अन्नामलाई, गणपत विश्वविद्यालय भोपाल तथा यशवन्तराव चौहान विश्वविद्यालय नासिक में दूरस्थ शिक्षा के उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्था के शिक्षा प्रभाग ने मूल्यों पर आधारित जो पाठ्यक्रम तैयार किया है। उससे निश्चित तौर पर युवाओं में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। यह पाठ्यक्रम देश के सभी विश्वविद्यालयों तथा कालेजों में लागू किया जाना चाहिए। देशभर से आये उत्तीर्ण युवाओं को डिप्लोमा तथा डिग्री प्रदान की गयी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष बीके निर्वैर ने कहा कि लगता था कि आज के समय में युवा मूल्य आधारित पाठ्यक्रम पर ध्यान देंगे या नहीं। परन्तु जिस तरह से युवाओं का रूझान बढ़ रहा है उससे साबित हो गया है कि युवाओं से ही समाज का उत्थान सम्भव हो जायेगा। इसलिए हर एक माता पिता तथा अभिभावकों को अपने बच्चों को मूल्यों के प्रति प्रोत्साहित करना चाहिए। कार्यक्रम में यशवन्तराव चौहान खुला विश्वविद्यालय नासिक के रजिस्ट्रार डॉ. दिनेश भोण्डे ने कहा कि नासिक विश्वविद्यालय में युवाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है जो मूल्यों को अपनाने के लिए प्रयासरत है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं का बढ़ना इस बात का प्रतीक है अब लोग मूल्यों के प्रति जागरूक है। समारोह में अन्नामलाई विश्वविद्यालय के डीन डॉ. आर. बाबू ने सबसे पहले यह पाठ्यक्रम अन्नामलाई विश्वविद्यालय में प्रारम्भ हुआ जिसमें पिछले कई सालों में बड़ी संख्या में छात्रों का रूझान बढ़ रहा है। यह आने वाले समय के लिए युवाओं को अच्छा संकेत है। कार्यक्रम में प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके मृत्युंजय, दूरस्थ शिक्षा के निदेशक पांडयामणि, आर पी गुप्ता, राष्ट्रीय संयोजक डॉ. हरीश शुक्ला समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

तालकटोरा स्टेडियम में विश्व बंधुत्व दिवस पर भव्य समारोह

सर्व ज्ञानों में बढ़कर है आध्यात्मिक ज्ञान : आडवाणी

शिव आमंत्रण ■ नई दिल्ली

तालकटोरा स्टेडियम में विश्व बन्धुत्व दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित करते भाजपा नेता लालकृष्ण अडवाणी तथा उपस्थित जन समूह।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने तालकटोरा स्टेडियम में विश्व बन्धुत्व दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में सभी को संबोधित करते हुए कहा कि इस संस्थान के सदस्यों को जो संस्कार अध्यात्म के कारण प्राप्त हो रहे हैं, उससे ही यह संस्थान दिनों दिन उन्नति व विशालता को प्राप्त कर रहा है।

दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में विश्व बन्धुत्व दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए। प्रात:काल तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित भव्य समारोह, बीजेपी के वरिष्ठ नेता एलक्रे.आडवाणी, संस्था के ' 'अतिरिक्त' 'महासचिव ' 'बीके ' 'बीके' आशा,' 'सह ' निदेशिका' 'बीके ' बृजमोहन, ओआरसी की निदेशिका शुक्ला, करोल बाग सेवाकेंद्र की 'संचालिका 'बीके' पुष्पा, 'अहमदाबाद' के अंबावाड़ी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ' 'शारदा' समेत संस्था 'के' अनेक 'वरिष्ठ सदस्यों की मौजुदगी में संपन्न हुआ। लालकृष्ण अडवाणी ने कहा, ब्रह्माकुमारी ऐसा एक ही समाज है जिसमें इतने लोग इकट्ठे होते हैं। इनमें शामिल होने से संतोष होगा, पवित्रता होगी और उसके कारण संतुष्टि मिलेगी। ऐसी संस्था, ऐसा समागम प्रमुख रूप से अगर बहनों के द्वारा संचालित है तो मानना पड़ेगा कि यह संगठन अद्भुत है। मुझे जो भी मिलते है उनसे विनम्रता से कहता हूं कि इनसे सीखो। ऐसा बहनों द्वारा संचालित समागम दूसरा मैने नहीं देखा। लोगों का आदर करना, सम्मान करना, लोगों को शुद्ध दृष्टि से देखना यह सारी बाते विशेष रूप से मन में आ जाती है। तार्किक ज्ञान, बौद्धिक ज्ञान लौकिक दुनिया में महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन इससे बढ़कर कोई ज्ञान है तो वह भावनात्मक ज्ञान है। और इन सबसे बढ़कर आध्यात्मिक ज्ञान है। आध्यात्मिक ज्ञान के कारण ही इस प्रकार का स्वभाव, आचरण देखने को मिलता है। ... शेष पृष्ठ 5 पर

यहां नहीं होता किसी भी मजहब का प्रचार

खुशी की बात यह है कि ब्रह्माकुमारी संस्था किसी भी मजहब का प्रचार नहीं करती। सिक्ख, बौद्ध, मुस्लिम, क्रिश्चन सब धर्म एक भगवान को मानते हैं। तो हमें एक दूसरे को प्यार करना चाहिए, एक दूसरे को सहयोग देकर आगे बढ़ाना चाहिए।

- डी. आर. कार्तिकेयन , पूर्व निदेशक, सीबीआई, दिल्ली

वैष्णव जन तो तेने कहिये...पीड़ पराई जाने रे..

सबसे बड़ा ऋण मानवता का है और वह सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए कहते हैं वैष्णव जन तो तेने कहिये, जो पीड़ा पराई जाने रे। जो दूसरे की पीड़ा जानते हैं और उनकी पीड़ा नष्ट करने के लिए कार्य करते हैं उनको ही वैष्णव कहते हैं। उसी में बंधुत्व है, उसी में मानवता है।

-इसाक मालेकर

हम सब एक ईश्वर की संतान, तो मिटना चाहिए भेदभाव

ब्रह्माकुमारीज का ज्ञान कहता है हम एक ईश्वर की संतान है तो सभी प्रकार की असमानता, भेदभाव हमें मिटाना चाहिए, सभी के साथ मिलकर चलना चाहिए। हम एक की संतान है तो हमारी जिम्मेवारी बनती है सिर्फ एक देश के लिए नहीं, सारी दुनिया का, ऐसा समाज बनाएं जिसमे किसी भी प्रकार की हिंसा न हो। रास्ते पर किसी को मारकाट ही सिर्फ हिंसा नहीं लेकिन छोटे-छोटे भेदभाव से भी हिंसा होती है। किसी को नीची जात का बताना यह भी तो हिंसा ही है।

-स्वामी अग्निवेश, अध्यक्ष, आर्य समाज, दिल्ली